फ्रांस में बजा भारत का डंका! पीएम मोदी और मैक्रों की ऐतिहासिक डील

विषय सूची (Table of Contents):

>> प्रस्तावना (Introduction)...
>> 1. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिले पीएम मोदी द्विपक्षीय संबंधों पर...
>> सकारात्मक कूटनीति और गर्मजोशी भरा स्वागत...
>> सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मान...
>> 2. भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष अगले 25 सालों के लिए रोडमैप तैयार...
>> आगामी 25 वर्षों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य...
>> 3. रक्षा सहयोग और आत्मनिर्भर भारत मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने पर जोर...
>> आत्मनिर्भर भारत और फ्रांस की भागीदारी...
>> आपसी सैन्य और सुरक्षा विश्वास...
>> 4. डिजिटल क्रांति अब फ्रांस में भी चलेगा भारत का यूपीआई (UPI)...
>> अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय डिजिटल तकनीक...
>> वित्तीय सुगमता और तकनीकी सहयोग...
>> 5. भविष्य की तकनीक ग्रीन हाइड्रोजन, एआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में नए इनिशिएटिव...
>> अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में बड़े समझौते...
>> 6. मार्से में खुलेगा नया वाणिज्य दूतावास भारतीय छात्रों और प्रवासियों के लिए बड़ा...
>> मार्से (Marseille) में नया भारतीय वाणिज्य दूतावास...
>> भारतीय छात्रों के लिए लॉन्ग टर्म वीजा...
>> 7. जलवायु परिवर्तन और इंडो-पैसिफिक वैश्विक स्थिरता के लिए भारत-फ्रांस का साझा स...
>> इंटरनेशनल सोलर एलायंस (ISA) की सफलता...
>> इंडो-पैसिफिक कोऑपरेशन रोडमैप...
>> निष्कर्ष (Conclusion)...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

प्रस्तावना (Introduction)

भारत और फ्रांस के संबंध वैश्विक कूटनीति में आपसी विश्वास और मजबूत तालमेल की एक अनूठी मिसाल पेश करते हैं। हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने फ्रांस का दौरा कर दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच आर्थिक, तकनीकी और रक्षा क्षेत्र के नए आयामों को रेखांकित किया है। इस ऐतिहासिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था, बल्कि वैश्विक चुनौतियों का मिलकर मुकाबला करने के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करना भी था।

यह महत्वपूर्ण बैठक एक ऐसे समय में हुई है जब पूरी दुनिया वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और सतत विकास की ओर अग्रसर है। भारत और फ्रांस के ऐतिहासिक संबंध हमेशा से स्वतंत्रता (Liberty), समानता (Equality) और बंधुत्व (Fraternity) के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित रहे हैं। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, इस दौरे के बाद भारत-फ्रांस संबंधों का एक नया रोडमैप तैयार हुआ है, जिससे दोनों देशों की वैश्विक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

1. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिले पीएम मोदी: द

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस के अपने दौरे के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एक बेहद उच्च स्तरीय और सार्थक बैठक की। इस मुलाकात के दौरान पेरिस शहर में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया, जिसके लिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों और फ्रांस की जनता का आभार व्यक्त किया।

सकारात्मक कूटनीति और गर्मजोशी भरा स्वागत

दोनों शीर्ष नेताओं के बीच हुई यह चर्चा पूरी तरह से सकारात्मक और रचनात्मक रही, जिसमें भारत-फ्रांस संबंधों के संपूर्ण दायरे की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस (बास्टिल डे) के अवसर पर वहां के नागरिकों को बधाई दी और दोनों देशों के अटूट रिश्ते को और गहरा करने की प्रतिबद्धता जताई।

सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मान

इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से नवाजा। इस ऐतिहासिक सम्मान को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। यह पुरस्कार दोनों देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास का एक जीवंत प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय समझौतों और वैश्विक नीतियों में आ रहे बदलावों की तरह ही यह सम्मान भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है, ठीक उसी तरह जैसे कई वैश्विक मंचों पर विभिन्न देशों के बीच होने वालीबांग्लादेश-अमेरिका डील पर खुलासाजैसी आर्थिक और रणनीतिक वार्ताओं पर दुनिया की नजर बनी रहती है।

2. भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष: अगले 25 सालों के

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी (Strategic Partnership) की स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस रजत जयंती वर्ष के ऐतिहासिक अवसर पर दोनों देशों ने बीते 25 वर्षों के मजबूत आधार की सराहना की और भविष्य की ओर कदम बढ़ाने का संकल्प लिया।

आगामी 25 वर्षों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

दोनों देशों ने मिलकर आने वाले 25 वर्षों यानी वर्ष 2047 तक के लिए एक व्यापक कूटनीतिक रोडमैप तैयार किया है। इस नए रोडमैप में बेहद साहसिक और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जो रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष और नागरिक सहयोग को एक नए स्तर पर ले जाएंगे।

>> साझा लोकतांत्रिक मूल्य:दोनों देशों के संबंधों का मुख्य आधार स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्य हैं।

>> भावी पीढ़ियों के लिए रोडमैप:तकनीकी साझाकरण और आर्थिक सहयोग को दोगुना करने का लक्ष्य।

>> वैश्विक मंचों पर सहयोग:बहुपक्षीय मंचों पर वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ एक समान दृष्टिकोण अपनाना।

3. रक्षा सहयोग और आत्मनिर्भर भारत: मेक इन इंडिया को बढ़ावा

रक्षा सहयोग हमेशा से भारत और फ्रांस के संबंधों का सबसे मजबूत स्तंभ रहा है। दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग केवल हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त विकास पर आधारित है।

आत्मनिर्भर भारत और फ्रांस की भागीदारी

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मेक इन इंडिया कार्यक्रम में फ्रांस एक बेहद अहम और भरोसेमंद पार्टनर बनकर उभरा है। आने वाले समय में रक्षा उपकरणों के सह-उत्पादन (Co-production) और संयुक्त विकास (Joint Development) को गति दी जाएगी।

आपसी सैन्य और सुरक्षा विश्वास

दोनों लोकतांत्रिक देश रक्षा और सुरक्षा के मामलों में एक-दूसरे के गोपनीय हितों का सम्मान करते हैं। रक्षा क्षेत्र में हो रहे इन बड़े बदलावों और आधुनिक रक्षा प्रणालियों के विकास से न केवल भारतीय सेनाओं की क्षमता बढ़ेगी, बल्कि स्वदेशी विनिर्माण को भी नई ताकत मिलेगी।

4. डिजिटल क्रांति: अब फ्रांस में भी चलेगा भारत का यूपीआई (UP

भारत की डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (DPI) प्रणाली दुनिया भर में धूम मचा रही है। इस यात्रा के दौरान एक ऐतिहासिक समझौते के तहत भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी UPI को फ्रांस में भी लॉन्च करने पर सहमति बन गई है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय डिजिटल तकनीक

फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत होने से डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व क्रांति आएगी। अब फ्रांस की यात्रा करने वाले भारतीय पर्यटकों, व्यवसायियों और वहां रहने वाले प्रवासियों को विदेशी मुद्रा विनिमय की जटिल प्रक्रियाओं से राहत मिलेगी और वे सीधे भारतीय बैंक खातों के जरिए सुरक्षित भुगतान कर सकेंगे।

वित्तीय सुगमता और तकनीकी सहयोग

यह समझौता भारतीय वित्तीय तकनीक (FinTech) की वैश्विक स्वीकार्यता का एक बड़ा प्रमाण है। जिस तरह डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सरकार देश के भीतर आम नागरिकों के जीवन को सुगम बना रही है जैसे किPM किसान की किस्त अब घर पर मिलेगीजैसी कल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है ठीक उसी तरह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई का यह प्रसार भारतीय नागरिकों को वैश्विक स्तर पर वित्तीय रूप से सशक्त बनाएगा।

5. भविष्य की तकनीक: ग्रीन हाइड्रोजन, एआई और सेमीकंडक्टर क्षे

पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ दोनों देशों ने भविष्य की अत्याधुनिक तकनीकों (Futuristic Sectors) में सहयोग बढ़ाने के लिए कई नए इनोवेटिव इनिशिएटिव्स की पहचान की है। दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने नवाचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने की बात कही है।

अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में बड़े समझौते

भविष्य की वैश्विक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत और फ्रांस मिलकर निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास और विनिर्माण को बढ़ावा देंगे:

>> ग्रीन हाइड्रोजन (Green Hydrogen):स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए उन्नत तकनीकों का आदान-प्रदान।

>> आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI):जिम्मेदार और सुरक्षित एआई फ्रेमवर्क विकसित करने के लिए संयुक्त प्रयास।

>> सेमीकंडक्टर (Semiconductors):वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए साझेदारी।

>> साइबर और डिजिटल टेक्नोलॉजी (Cyber Digital Tech):साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर डेटा सुरक्षा और नेटवर्क सुरक्षा बढ़ाना।

6. मार्सेय में खुलेगा नया वाणिज्य दूतावास: भारतीय छात्रों और प

पीपल-टू-पीपल कनेक्ट यानी दोनों देशों के नागरिकों के बीच आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के लिए कई महत्वपूर्ण और व्यावहारिक घोषणाएं की।

मारसे (Marseille) में नया भारतीय वाणिज्य दूतावास

फ्रांस के दक्षिण में स्थित प्रमुख व्यापारिक और सांस्कृतिक शहर मारसे में भारत एक नया वाणिज्य दूतावास (Consulate) स्थापित करेगा। इससे उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों को प्रशासनिक और राजनयिक सेवाएं प्राप्त करने में बेहद आसानी होगी।

भारतीय छात्रों के लिए लॉन्ग टर्म वीजा

शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय मेधावियों को प्रोत्साहित करने के लिए फ्रांस सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। फ्रांस में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय मूल के छात्रों के लिए अब लॉन्ग टर्म पोस्ट-स्टडी वीजा (Long Term Visa) देने की व्यवस्था का स्वागत किया गया है। यह कदम छात्रों के करियर को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा, बिल्कुल वैसे ही जैसे देश के भीतर भी मेधावियों को आगे बढ़ाने के लिएप्रतिभा को मिलेगा पंख!जैसे विभिन्न छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को अवसर दिए जा रहे हैं।

7. जलवायु परिवर्तन और इंडो-पैसिफिक: वैश्विक स्थिरता के लिए भ

पर्यावरण सुरक्षा और वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिरता के मामलों में भारत और फ्रांस एक समान विजन साझा करते हैं। दोनों देशों ने वैश्विक मंच पर अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जंग जारी रखने की बात दोहराई।

इंटरनेशनल सोलर एलायंस (ISA) की सफलता

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण दोनों देशों की साझा प्राथमिकता रही है। दोनों नेताओं ने गर्व व्यक्त किया कि उनके द्वारा स्थापित किया गया इंटरनेशनल सोलर एलायंस (International Solar Alliance) आज वैश्विक स्तर पर एक बड़ा आंदोलन बन चुका है, जो दुनिया भर में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है।

इंडो-पैसिफिक कोऑपरेशन रोडमैप

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के निवासी शक्तियों (Resident Powers) के रूप में भारत और फ्रांस इस पूरे समुद्री क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, नौवहन की

स्वतंत्रता और स्थिरता बनाए रखने के लिए विशेष जिम्मेदारी साझा करते हैं। इस सहयोग को एक रचनात्मक और व्यावहारिक स्वरूप देने के लिए इंडो-पैसिफिक कोऑपरेशन रोडमैप (Indo-Pacific Cooperation Roadmap) पर तेजी से काम किया जा रहा है।

निष्कर्ष (Conclusion)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच हुई यह ऐतिहासिक वार्ता भारत-फ्रांस संबंधों में मील का पत्थर साबित होगी। 25 वर्षों के अटूट विश्वास की नींव पर खड़े इस रिश्ते ने अगले 25 वर्षों के लिए जो महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है, वह दोनों देशों के विकास के साथ-साथ वैश्विक भलाई के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

रक्षा, यूपीआई भुगतान प्रणाली का वैश्विक विस्तार, मार्से में नया वाणिज्य दूतावास और अत्याधुनिक तकनीकी मोर्चों पर हुए ये नए इनिशिएटिव्स आने वाले समय में दोनों देशों के नागरिकों के लिए प्रगति के नए द्वार खोलेंगे। संक्षेप में कहें, तो भारत और फ्रांस की यह रणनीतिक साझेदारी बहुध्रुवीय दुनिया में वैश्विक शांति और सतत विकास को एक नई और सकारात्मक दिशा प्रदान करेगी।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा फ्रांस के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर (Grand Cross of the Chief of the Legion of Honour) से सम्मानित किया गया।

हाँ, इस ऐतिहासिक बैठक के दौरान भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) को फ्रांस में लॉन्च करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके बाद भारतीय नागरिक फ्रांस में सीधे डिजिटल भुगतान कर सकेंगे।

भारत सरकार फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में स्थित प्रमुख और ऐतिहासिक शहर मार्से (Marseille) में अपना नया वाणिज्य दूतावास खोलेगी, ताकि वहाँ के प्रवासियों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

फ्रांस में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय मूल के पूर्व छात्रों के लिए लॉन्ग टर्म पोस्ट-स्टडी वीजा (Long Term Visa) देने के निर्णय की घोषणा की गई है, जिसका भारत ने स्वागत किया है।

दोनों देश मिलकर ग्रीन हाइड्रोजन (Green Hydrogen), रिन्यूएबल एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सेमीकंडक्टर्स, साइबर और आधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में नए इनिशिएटिव्स पर काम कर रहे हैं।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देश साझा जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस सहयोग को रचनात्मक रूप देने के लिए एक विशेष इंडो-पैसिफिक कोऑपरेशन रोडमैप पर काम किया जा रहा है।

रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर बीते 25 वर्षों के मजबूत आधार का उपयोग करते हुए, दोनों देशों ने अगले 25 वर्षों के लिए एक बोल्ड और महत्वाकांक्षी भविष्य का रोडमैप तैयार किया है।